परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय,क्रमांक-3, रावतभाटा

आत्मविश्वास परीक्षण प्रश्न-पत्र-2019-20

विषय – हिन्दी | कक्षा-ग्यारहवीं

पूर्णांक-80 | समय- 3 घंटा

खण्ड क

प्रश्न.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)

जब समाचार-पत्रों में सर्वसाधारण के लिए कोई सूचना प्रकाशित की जाती है, तो उसको विज्ञापन कहते हैं। यह सूचना नौकरियों से संबंधित हो सकती है, खाली मकान को किराए पर उठाने के संबंध में हो सकती है या किसी औषधि के प्रचार से संबंधित हो सकती है। कुछ लोग विज्ञापन के आलोचक हैं। वे इसे निरर्थक मानते हैं। उनका मानना है कि यदि कोई वस्तु यथार्थ रूप में अच्छी है, तो वह बिना किसी विज्ञापन के ही लोगों के बीच लोकप्रिय हो जाएगी, जबकि खराब वस्तुएँ विज्ञापन की सहायता पाकर भी भंडाफोड़ होने पर बहुत दिनों तक टिक नहीं पाएँगी, परंतु लोगों की यह सोच गलत है।

आज के युग में मानव का प्रचार-प्रसार का दायरा व्यापक हो चुका है। अतः विज्ञापनों का होना अनिवार्य हो जाता है। किसी अच्छी वस्तु की वास्तविकता से परिचय पाना आज के विशाल संसार में विज्ञापन के बिना नितांत असंभव है। विज्ञापन ही वह शक्तिशाली माध्यम है, जो हमारी जरूरत की वस्तुएँ प्रस्तुत करता है, उनकी माँग बढ़ाता है और अंततः हम उन्हें जुटाने चल पड़ते हैं। यदि कोई व्यक्ति या कंपनी किसी वस्तु का निर्माण करती है, उसे उत्पादक कहा जाता है। उन वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने वाला उपभोक्ता कहलाता है। विज्ञापन इन दोनो को जोड़ने का कार्य करता है। वह उत्पादक को उपभोक्ता के संपर्क में लाता है तथा माँग और पूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयत्न करता है। पुराने जमाने में किसी वस्तु की अच्छाई का विज्ञापन मौखिक तरीके से होता था। काबुल का मेवा, कश्मीर की जरी का काम, दक्षिण भारत के मसाले आदि वस्तुओं की प्रसिद्धि मौखिक रूप से होती थी। उस समय आवश्यकता भी कम होती थी तथा लोग किसी वस्तु के अभाव की तीव्रता का अनुभव नहीं करते थे। आज समय तेजी का है। संचार-क्रांति ने जिंदगी को स्पीड दे दी है। मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ती जा रही हैं, इसलिए विज्ञापन मानव-जीवन की अनिवार्यता बन गया है।

i. विज्ञापन किसे कहते हैं? वह मानव जीवन का अनिवार्य अंग क्यों माना जाता है? (2)

ii. उत्पादक किसे कहते हैं? उत्पादक-उपभोक्ता संबंधों को विज्ञापन कैसे प्रभावित करता है? (2)

iii. किसी विज्ञापन का उद्देश्य क्या होता है? जीवन में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। (2)

iv. पुराने समय में विज्ञापन का तरीका क्या था? वर्तमान तकनीकी युग में इसे किस प्रकार प्रभावित किया है? (2)

v. आज की भाग-दौड़ की ज़िंदगी में विज्ञापन का महत्त्व उदाहरण देकर समझाइए। (1)

vi. गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

प्रश्न-2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (1x6=6)

जो नहीं हो सके पूर्ण-काम मैं उनको करता हूँ प्रणाम !
कुछ कुंठित औ कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त-तूणीर हुए
-उनको प्रणाम !
जो छोटी-सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि-पार
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार
-उनको प्रणाम !

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे
-उनको प्रणाम !
कृत-कृत्य नहीं जो हो पाए
प्रत्युत फांसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल
-उनको प्रणाम !

i. कवि असफल लोगों को ही क्यों प्रणाम कर रहा है?

ii. छोटी सी नौका से सागर पार करने की कोशिश करने वालों का क्या महत्त्व माना है?

iii. उच्च शिखर की ओर बढ़ते हुए हिम समाधि लेने का भावार्थ क्या है?

iv. समाज किन लोगों को भी भुला देता है?

v. पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए|

vi. 'आरम्भ' एवं 'साकार' का विलोम पद्यांश से छांटकर लिखिए|

खण्ड –ख

प्रश्न-3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दृश्य लेखन(फ़ीचर लेखन) लिखिए- 5

i. गाँव के प्राकृतिक वातावरण ii. विद्यालय वार्षिकोत्सव

प्रश्न-4. समाज में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और समाधान का एक सुझाव भी दीजिए। 5

प्रश्न-5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षेप में उत्तर दीजिए-1 x 4 = 4

i. समाचार लेखन के संदर्भ में ककार का क्या आशय है?

ii. समाचार-पत्र में सम्पादकीय टीम की क्या भूमिका होती है?

iii. विशेषीकृत लेखन एवं बीट लेखन में अंतर क्या है?

iv. पेज थ्री पत्रकारिता क्या है?

v. संपादन के दो सिद्धांत बताइए|

vi. डेड लाइन का क्या आशय है?

प्रश्न-6 'भारतीय मिडिया के स्वरूप' विषय पर एक आलेख लिखिए। अंक -3

प्रश्न-7. शब्दकोश(डिक्शनरी) की उपयोगिता को समझाइए| अंक- 3

खण्ड- ग (पाठ्यपुस्तक से सम्बन्धित)

प्रश्न-8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (2 अंक×3=6)

कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए,
कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए|

यहाँ दरख्तों के साये में धूप लगती है,
चलो यहाँ से चलें और उम्र भर के लिए|

i. 'चिरागाँ' किस सन्दर्भ में प्रयुक्त हुआ है?

ii. दरख्तों के साये में धूप लगने का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए|

iii. कवि पलायनवादी क्यों बनना चाहता है?

प्र.-9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (3 अंक x2= 6)

कपट के शोर में
सही होते हुए भी दब जाना-बुरा तो है
किसी जुगनू की लौ में पढ़ना-बुरा तो है

मुट्ठियाँ भींचकर बीएस वक्त निकाल लेना-बुरा तो है
सबसे खतरनाक नहीं

i. काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए|

ii. काव्यांश की प्रतीक-योजना को स्पष्ट कीजिए|

प्रश्न-10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए- (2 अंक x 2 = 4)

i. ईश्वर के स्वरूप के बारें में कबीर ने क्या कहा है?

ii. 'वे आँखें' कविता में नारी के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए|

iii. 'घर की याद' कविता की मूल सम्वेदना को समझाइए|

प्रश्न-11. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2×3=6)+ (1x1)

यहाँ की प्रजा ने आपकी ज़िद का फल यहीं देख लिया| उसने देख लिया कि आपकी ज़िद ने इस देश की प्रजा को पीड़ित किया, आपको भी उसने कम पीड़ा न दी, यहाँ तक कि आप स्वयं उसका शिकार हुए| यहाँ की प्रजा वह प्रजा है, जो अपने दुःख और कष्टों की अपेक्षा परिणाम का अधिक ध्यान रखती है| वह जानती है कि संसार में सब चीजों का अंत है| दुःख का समय भी एक दिन निकल जावेगा, इसी से सब दुखों को झेलकर, पराधीनता सहकर भी वह जीती है | माइ लार्ड! इस कृतज्ञता की भूमि की महिमा आपने कुछ न समझी और न यहाँ की दीन प्रजा की श्रद्धा भक्ति अपने साथ ले जा सके, इसका बड़ा दुःख है|

i. लार्ड कर्जन की ज़िद का क्या परिणाम हुआ?

ii. भारतीय प्रजा की क्या विशेषता है?

iii. लेखक को किस बात का दुःख है?

iv. कृतघ्नता और स्वाधीनता का विलोम गद्यांश से छांटकर लिखिए|(1 अंक)

प्रश्न-12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (3 x 3 = 9)

i. 'गलता लोहा' में अभिव्यक्त जाति-व्यवस्था के स्वरूप को पाठ में आए प्रकरणों के आधार पर समझाइए|

ii. 'व्यापार बनती शिक्षा के स्वरूप' को रजनी पाठ के आधार पर समझाइए|

iii. नमक का दरोगा' पाठ में व्यवस्था के स्वरूप का पर्दाफ़ाश किस तरह किया है?

प्रश्न-13.पाठ की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –(4 x 3 =12)

i. 'आलो-आंधारी' स्त्री संघर्ष एवं चेतना की कहानी है| पाठ में आए प्रकरणों के माध्यम से समझाइए|

ii. राजस्थान की रजत बूँदे पाठ में किस समस्या को दृश्या गया है? इस पाठ के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए|

iii. संगीत एवं समाज के आपसी सम्बन्धों को 'भारतीय गायिकाओं में बेजोड़-लता मंगेशकर' पाठ के आधार समझाइए|